



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 171]
No. 171]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 3, 1980/भाद्र 12, 1902
NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 3, 1980/BHADRA 12, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना संख्या-34 आईटीसी (पीएन)/80

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1980

विषय— 1979-80 के लिए जापान सहायता के अन्तर्गत जापान से इस्पात मसो और भारत के पत्तनों पर उनके यातायात के लिए आवश्यक सेवाओं के आयात लाइसेंस जारी करने के लिए नियम तथा शर्तें।

मिसिल संख्या-आईपीसी/39/18/78.—सार्वजनिक सूचना सं०-2 आईटीसी (पीएन) 80 दिनांक 25 जनवरी, 1980 में यथा निर्धारित लाइसेंस शर्तों के खण्ड-4 में संशोधन इस सार्वजनिक सूचना के लिए परिशिष्ट के रूप में जानाकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है।

परिशिष्ट

सार्वजनिक सूचना सं० 2 आईटीसी (पीएन)/80

दिनांक 25 जनवरी, 1980 के खण्ड-4 में संशोधन।

खण्ड-4—रूपया जमा करने के लिए उत्तरदायित्व

4(1) मूल परक्राम्य लदान वस्तावेज निरूपवाद रूप से बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा आयातक से सम्बन्धित भारतीय बैंक, जो भारतीय स्टेट बैंक की एक शाखा होगी या कोई भी राष्ट्रीय बैंक होगा जैसा कि अनुबंध-1 में (घो) में दिया गया है, को अग्रप्रेषित किए जाएंगे, जो सम्बन्धित

आयातक को इन वस्तावेजों का परक्राम्य सैंटर केवल यह सुनिश्चय करने पर रखा करेगा कि जापानी संभरक को किए गए येन भुगतान के बराबर रूपए नीचे संकेतित अनुसार भारत सरकार के लेखे में जमा करवा दिए जाते हैं :—

आयातक अर्थात् भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि० (सेल) आयातित इस्पात मसालों की देगी कीमत के आधार पर गणना की गई कीमत को जिसमें इसके द्वारा भुगतान किए गए सीमा शुल्क कर को और लागत तथा भाड़ा पर 4% सेवा प्रभारों और अन्य प्रभारों जैसे प्रबन्ध प्रभार, रेलवे भाड़े आदि को घटाते हुए जमा करवाएगा। उपर्युक्त यथा उल्लिखित आयातक द्वारा आयातित इस्पात मिसिलियों के लागत बीमा भाड़ा मूल्य और जमा की गई वास्तविक धनराशि के बीच जो अन्तर होगा उसे बाद में सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षक नियंत्रक को इस्पात विभाग द्वारा असा की जाने वाली आर्थिक सहायता में समंजित कर दिया जाएगा और 1980-81 के बजट में डाल दिया जाएगा। इस्पात विभाग एवं सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक के बीच समंजित की गई धनराशि पर आयातक द्वारा किसी भी प्रकार का व्याज देय नहीं होगा। येन भुगतान के समतुल्य रूपए की गणना के लिए अपनवाई गयी मुद्रा विनिमय दर मुद्रा विनिमय की प्रचलित मिश्रित दर होगी जैसा कि मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं०-8 आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-1976 में दर्शाया गया है अथवा जो समय पर सरकार द्वारा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय परिपत्रों के माध्यम से अधिसूचित किया जाता है। इस संबंध में जब

भी किसी परिवर्तन की आवश्यकता होगी अधिसूचित किया जाएगा। सम्बद्ध में भारतीय बैंक का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह यह सुनिश्चय करे कि आयात सम्बन्धी दस्तावेज आयातकों को सौंपने से पहले देय राशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा करा दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले देय राशि सरकारी लेखे में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। लेखा शीर्ष जिनमें उपर्युक्त रुपया जमा करना चाहिए वह "के-डिपोजिट एंड एडवांसेज-843-मिविल डिपोजिट फार परचेजिज एटस्ट्रा एन्डोड भंडर ग्रांट एंड फ्रीम दि गर्बनमेंट ऑफ जापान" फार 1979-80 ग्रांट फार परचेज ऑफ इम्प्रात मर्चे हैं।

4(2) ऊपर बताई गई धनराशि नकद में सरकार के खाते में भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली अथवा भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करानी चाहिए अथवा यदि यह सम्भव न हो तो भारतीय स्टेट बैंक अथवा इसकी सहायक शाखाओं अथवा किसी एक राष्ट्रीकृत बैंक (डाबलर) से प्राप्त डिमान्ड ड्राफ्ट जो सरकार के लेखे में जमा करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक तीस हजारी ब्रांच, दिल्ली-6 (ट्राको एण्ड पेई) के नाम से हो, के माध्यम से परेषित की जानी चाहिए जैसा कि सार्वजनिक सूचना सं०-184, दिनांक 30-8-1968, सं०-233-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-1968 और सं०-133 आईटीसी (पीएन)/71 दिनांक 5-10-1971 में बताया गया है।

4(3) भारत में सम्बद्ध बैंक भी ऊपर बताए गए तरीके से ऐसी अतिरिक्त धनराशि भेजेगा जिसके लिए भारत सरकार सेवा प्रभार के निमित्त ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर अनुरोध करे। बालान में विभिन्न कालम भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं०-103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 के साथ पड़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं०-132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के पैरा 2 में निर्धारित जानकारी परेषण के बालान में "पूर्ण व्यौरे और प्राधिकारी (यदि कोई हो तो)" कालम में अपरिवर्तनीय रूप से दर्शाए गए हैं। निम्नलिखित व्यौरे खजाना बालान में अपरिवर्तनीय रूप से भेजे जाने चाहिए:—

- (क) विल्ल मंत्रालय "ए/पी" (भुगतान करने का प्राधिकार) सं० और दिनांक
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके सम्बन्ध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के माध्य निर्णय किए जाने हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि
- (घ) जमा की गई कुल धनराशि

उसके पश्चात् सीएण्ट्र द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का मदभे वेंते हुए और बीजक तथा पीन परिवर्तन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना बालान रुपया जमा करने का माध्य वेंते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सीएण्ट्र को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी.—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि एण्ट्र का निक्षेप बैंक ऑफ इंडिया टोकियो से प्रदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पीन खदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सीएण्ट्र एवं ए विल्ल मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में सम्बद्ध बैंक ऑफ इंडिया, को लाइसेंस की सुत्रा क्षिमिय नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना

चाहिए और अरिश्त "एम" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, बम्बई की भेजना चाहिए।

मणि नारायणस्वामी,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 34-ITC(PN)/80

New Delhi, the 3rd Sept., 1980

Subject :— Terms and conditions governing the issuance of import licences for import of steel items and services necessary for the transportation thereof to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1979-80.

F. No. IPC/39/18/78 :— An amendment to Section IV of the licensing conditions as laid down in Public Notice No. 2-ITC(PN)/80 dated the 25th January, 1980 is notified for information as Appendix to this Public Notice.

APPENDIX

Amendment of Section IV of the Public Notice No. 2-ITC(PN)/80 dated the 25th January, 1980.

Section IV :— Responsibility for rupee deposit

IV(1) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-f who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier, is deposited into Government of India account, as described below :—

The importer i.e. Steel Authority of India Ltd. (SAIL) would deposit the cost of the imported deformed steel bars computed on the basis of the indigenous price of Steel reduced by the amount of customs duty paid by it plus 4% of the service charges on C & F value and other charges like handling, railway freight etc. The difference between the CIF value of the imported steel bars and the amounts actually deposited by the importer as stated above would be later adjusted in the subsidy payable by the Deptt. of Steel to CAA&A and budgeted for in 1980-81. No Interest charges would be payable by the importer on the amount which will be adjusted between Deptt. of Steel & CAA&A. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notice of CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the important documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before taking delivery of the documents from their bankers. The Head of account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits—Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan" for 1979-80, Grant for purchases of the Steel items.

IV(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (drawer drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari branch, Delhi-6 (drawee and Payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC (PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971.

IV(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to pay)
No. date

- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
(c) Date of payment to the Japanese supplier.
(d) Total amount deposited.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAAA indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note :— Importer's Banks in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay

